# ऑफग्रिड सोलर पावर प्लांट

ऑफग्रिड सोलर पावर प्लांट

प्रदेश के आश्रमों / छात्रावासों, शालाओं, पुलिस थानों, शासकीय भवनों, घरेलू, व्यवसायिक परिसर, संस्थागत तथा सामुदायिक स्थलों में ऑफग्रिड रुफटॉप सौर संयंत्रों की स्थापना का कार्य किया जा रहा है।

इस योजना अंतर्गत योग्य अनुदान उपरांत शेष हितग्राही अंश प्राप्त कर संयंत्रों की स्थापना का कार्य किया जाता है। सौर संयंत्रों की स्थापना से न सिर्फ प्रकाश व्यवस्था की जा रही है बल्कि ऊर्जा संरक्षण भी किया जा रहा है। क्रेडा के गठन उपरांत अब तक कुल 6,534 नग (क्षमता 19.77 मेगावॉट) संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है।

## शिक्षा के क्षेत्र में सौर विद्युतीकरण

प्रदेश के ऐसे अविद्युतीकृत शालाओं एवं आश्रम / छात्रावासों के भवनों में नियमित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु विभिन्न क्षमता के ऑफग्रिड सोलर पावर प्लांटों की स्थापना की जाती है जिससे कि स्कूल के समय में बढ़ोत्तरी एवं अच्छे परिणाम में सहायक, कन्या छात्रावासों की सुरक्षा सहायता के साथ-साथ रात्रिकालीन पढ़ाई में भी सुगमता होती है। प्रदेश में कुल 3080 नग संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है जिनकी कुल क्षमता 6047 किलोवॉट है।

## ऑफग्रिड सोलर पावर प्लांटों के माध्यम से स्ट्रीट लाईटों का संचालन

योजनान्तर्गत प्रदेश के ऐसे गली मोहल्लों जिनमें मुख्यतः ग्राम शामिल हो, के मुख्य मार्ग, चौक चौराहों में विभिन्न क्षमता के ऑफग्रिड सोलर पावर प्लांटों की स्थापना कर उनसे संचालित होने वाले स्ट्रीट लाईटों की स्थापना का कार्य किया जाता है। प्रदेश में कुल 843 संयंत्रों की स्थापना की गई है, जिनकी कुल क्षमता 2377 किलोवॉट है एवं उनसे लगभग 25300 स्ट्रीट लाईटों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है, जो रात्रिकाल में महिलाओं की सुरक्षा हेतु अत्यंत सहायक है।

ग्राम- चंदेली, जिला- कांकेर

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा)
ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

Toll Free No. 18001234591
Log on: www.creda.co.in

व्ही.आई.पी.रोड, ऊर्जा शिक्षा उद्यान के पास, फुण्डहर चौक, रायपुर (छ.ग.)

ऑफग्रिड सोलर पावर प्लांट

# शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों / अस्पतालों में सोलर पावर प्लांटों की स्थापना

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जीवनरक्षा से संबंधित अतिसंवदेनशील एवं महत्वपूर्ण सेवायें है, परंपरागत बिजली की अनिरंतरता, लो-वोल्टेज अथवा अभाव के कारण स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध कराये जाने वाली सेवायें उदाहरणतः वैक्सीन रेफ्रिजरेशन, आकस्मिक प्रसव सेवायें आदि बाधित न हो एवं तद्नुसार स्वास्थ्य केन्द्रों में 24 घण्टे बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी में सहायता उपलब्ध कराये जाने को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य केन्द्रों का सौर ऊर्जीकरण नितांत आवश्यक है। राज्य में अब तक कुल 1,432 शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों / अस्पतालों में सोलर पावर प्लांटों की स्थापना की गई है, जिसकी क्षमता 4.57 मेगावॉट है। इससे प्रति वर्ष 66,72,200 Kwh (यूनिट) बिजली का उत्पादन होता है। स्वास्थ्य केन्द्रों में जीवन रक्षक मशीनें तथा वैक्सीन इत्यादि उपयोग की जाती हैं जिन्हें अबाधित विद्युत प्रदाय की आवश्यकता होती है। विद्युत प्रदाय बाधित होने तथा वोल्टेज अप-डाऊन की समस्या दूर करने हेतु स्वास्थ्य केन्द्रों का सौर विद्युतीकरण किया गया है। राज्य के समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्रों में सोलर पावर प्लांट लगाये जा चुके हैं।

This intervention awarded by ASHDEN TRUST U.K. in the year 2018 under Sustainable Energy and Health Category.

ग्राम- धौरपुर, जिला-सरगुजा